लोकसभा चुनाव 2024 के आँकड़े

[स्रोत: पी.आई.बी.]

हाल ही में भारत **निर्वाचन आयोग ने** सभी हितधारकों के लिये **पारदर्शिता और पहुँच को** बढ़ाने के लिये वर्ष **2024 के लोकसभा चुनावों के लिये व्यापक आँकड़े जारी किये हैं।**

आँकड़ों की मुख्य बातें क्या हैं?

- **मतदाता: कुल 97,97,51,847 पंजीकृत मतदाता**, जो वर्ष 2019 में 91,19,50,734 से **7.43% अधिक है।**
  - कुल **64.64 करोड़ वोट डाले गए**, जबकि वर्ष 2019 में 61.4 करोड़ वोट पड़े थे।
    - **धुबरी (असम) में सबसे अधिक 92.3% मतदान** हुआ, जबकि **श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर)** में सबसे कम **38.7% मतदान हुआ**, (वर्ष 2019 में 14.4% से ऊपर)।
  - **वर्ष 2024 में NOTA को 63,71,839 वोट (0.99%)** मिले, जबकि ट्रांसजेंडर मतदाताओं का मतदान 27.09% रहा।
- **मतदान केंद्र: वर्ष** 2024 के लोकसभा चुनाव में **10,52,664 मतदान केंद्र थे**, जो वर्ष 2019 में 10,37,848 से अधिक हैं।
  - **बिहार में** मतदान केंद्रों की संख्या में **सबसे अधिक वृद्धि** हुई, जहाँ **4,739 मतदान केंद्र जोड़े गए,** उसके बाद पश्चिम बंगाल (1,731) का स्थान रहा।
  - **वर्ष 2019 में 540 मतदान केंद्रों की तुलना में** केवल **40 मतदान केंद्रों** (कुल मतदान केंद्रों का 0.0038%) पर **पुनर्मतदान हुआ**।
- **नामांकन: वर्ष** 2024 के लोकसभा चुनावों में **12,459 नामांकन** दाखिल किये गए, जबकि वर्ष 2019 में यह संख्या 11,692 थी।
  - **मलकाज़गिरी (तेलंगाना)** में सबसे अधिक **114 नामांकन थे,** जबकि **डिब्रूगढ़ (असम)** में सबसे कम **3 नामांकन थे (सूरत को छोड़कर)।**
- **महिला सशक्तीकरण: वर्ष** 2024 के लोकसभा चुनावों में **47,63,11,240 महिला मतदाता (कुल मतदाताओं का 48.62%) थीं,** जिनकी संख्या वर्ष 2019 में 43,85,37,911 (48.09%) थी।
  - **वर्ष 2024 में महिला मतदाताओं का उच्चतम** प्रतिशत भाग **पुदुचेरी (53.03%) है और उसके बाद केरल (51.56%) का स्थान आता है।**
    - **धुबरी (असम)** में सबसे अधिक **92.17% महिला मतदाताओं ने मतदान किया,** दूसरे स्थान पर **तामलुक (पश्चिम बंगाल) में 87.57% महिला मतदाताओं ने मतदान किया**।
  - **प्रति 1,000** पुरुष मतदाताओं पर महिला मतदाताओं की संख्या वर्ष 2019 में 926 से बढ़कर वर्ष **2024 में 946 हो जाएगी।**
    - सबसे अधिक महिला उम्मीदवारों वाला राज्य महाराष्ट्र (111) उसके बाद उत्तर प्रदेश (80) और तमिलनाडु (77) का स्थान है।
- **समावेशी चुनाव: वर्ष** 2024 के लोकसभा चुनावों में **ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या** **23.5%** बढ़कर 48,272 हो गई (वर्ष 2019 में 39,075), जिसमें **तमिलनाडु में** सबसे अधिक **8,467 मतदाता थे।**
  - **ट्रांसजेंडर मतदाताओं के बीच मतदान प्रतिशत वर्ष** 2019 में 14.64% से लगभग दोगुना होकर **27.09% हो गया।**
  - **पंजीकृत दिव्यांग** मतदाताओं की संख्या वर्ष 2019 में 61,67,482 की तुलना में बढ़कर **90,28,696 हो गई।**
  - **वर्ष 2024 में 1,19,374 विदेशी मतदाता** पंजीकृत हुए (वर्ष 2019 में 99,844 विदेशी मतदाता)।
- **परिणाम: वर्ष** 2024 के लोकसभा चुनावों में **छह** **राष्ट्रीय दलों ने** **भाग लिया, जिन्होंने** कुल वैध मतों का **63.35%** संयुक्त वोट शेयर हासिल किया।
  - सूरत **(गुजरात) निर्वाचन क्षेत्र निर्विरोध** रहा।
  - **3,921 स्वतंत्र उम्मीदवारों** में से केवल 7 निर्वाचित हुए।
  - स्वतंत्र उम्मीदवारों को **कुल वैध मतों में से 2.79% मत प्राप्त हुए,** जिसमें 279 स्वतंत्र महिला उम्मीदवार थीं।

//

भारत निर्वाचन आयोग
(Election Commission of India-ECI)

ECI

- एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय है जो भारत में संघ और राज्य चुनाव प्रक्रियाओं का संचालन करता है।
- लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव का संचालन
- स्थापना- 25 जनवरी 1950 (राष्ट्रीय मतदाता दिवस)

संवैधानिक प्रावधान

भाग XV-अनुच्छेद 324 से 329

संरचना

- 1 मुख्य चुनाव आयुक्त और 2 चुनाव आयुक्त राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये जाते हैं
- कार्यकाल- 6 वर्ष, या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो
- सेवानिवृत्त चुनाव आयुक्त- सरकार द्वारा पुनर्नियुक्ति के लिये पात्र।
- मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाना- सदन की कुल संख्या के 50% से अधिक के समर्थन से उपस्थित और मतदान करने वाले 2/3 सदस्यों के बहुमत के साथ सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर प्रस्ताव

प्रमुख भूमिकाएं और जिम्मेदारियाँ

- चुनावी निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण
- मतदाता सूची तैयार करना और समय-समय पर उसका पुनरीक्षण करना
- चुनाव कार्यक्रम और तारीखों को अधिसूचित करना
- राजनीतिक दलों को पंजीकृत करना और उन्हें राष्ट्रीय या राज्य दलों का दर्जा देना
- राजनीतिक दलों के लिये आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) जारी करना
- सांसदों की अयोग्यता से संबंधित मामलों पर राष्ट्रपति को सलाह देना

चुनौतियाँ

- मुख्य चुनाव आयुक्त का छोटा कार्यकाल
- नियुक्तियों में कार्यकारी प्रभाव
- वित्त के लिये केंद्र पर निर्भरता
- स्वतंत्र स्टाफ की कमी

नोट: सूरत लोकसभा सीट पर एक उम्मीदवार का नामांकन **खारिज़ होने** तथा आठ अन्य उम्मीदवारों द्वारा **अपना नामांकन वापस लेने के बाद** विजयी उम्मीदवार निर्विरोध विजयी हो गया।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2017)

1. भारत निर्वाचन आयोग पाँच-सदस्यीय निकाय है।
2. संघ का गृह मंत्रालय, आम चुनाव और उप-चुनावों दोनों के लिये चुनाव कार्यक्रम तय करता है।
3. निर्वाचन आयोग मान्यता-प्राप्त राजनीतिक दलों के विभाजन/विलय से संबंधित विवाद निपटाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/data-of-lok-sabha-elections-2024